आराध्यदेव श्री चित्रगुप्त जी महाराज

भटनागर सभा सामुदायिक केन्द्र, उदयपुर

संदेश

नवीन भूखण्ड के क्रय से एक महत्त्वपूर्ण कदम पूरा हुआ। कई वर्षों के अथक परिश्रम तथा सभी के सहयोग से यह संभव हो सका। कई बार लगा कि शायद सभा का यह सपना पूरा नहीं होगा। परन्तु आप सभी लोगों ने विश्वास रखा, तथा कार्यकारिणी ने अपने प्रयत्नों में कमी नहीं आने दी, इसके लिये समस्त सदस्यों को हमारी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं।

अब अगली सीढ़ी है, इस भूखण्ड को काम के लिये तैयार करना, तथा भटनागर सभा सामुदायिक केन्द्र की योजना बनाना। केन्द्र में सभागार, पुस्तकालय, कम्प्युटर तथा अन्य सुविधाऐं होनी चाहिये। इसकी नीति-निर्धारण में समाज के सभी सदस्यों से विचार आने चाहिये। सभागार, इस तरह का हो, कि सभी उत्सवों, कथा, विवाह सम्बन्धी कार्यक्रम इसमें सम्पन्न हो सके। सभा कि यह धरोहर सभी गतिविधियों का मुख्य केन्द्र साबित हो। हम लोगों का भी इसमें पूरा-पूरा सहयोग रहेगा। निकट भविष्य में उदयपुर आगमन पर सभी कार्यवाहियों में भाग ले सकेंगे। हमें पूरा विश्वास है, कि पूर्व की भांति सभी साथ मिलकर कार्य करेंगे, जैसा कि अब तक होता रहा है।

यह हर्ष का विषय है, कि भटनागर सभा, उदयपुर के पास आज एक निजी भूखण्ड है, इसके लिये समाज के हर सदस्य ने प्रयत्न किये। अब आगे की Planning करनी है। इस भूखण्ड को 4/5 Projects में बाँटकर धीरे-धीरे पूरा करना होगा। चार दीवारी, फाटकें, भूमि को समतल करना, पानी, बिजली की व्यवस्था एवं भवन निर्माण सम्बन्धी प्लान एवं निर्माण आदि के लिये पुनः धनराशि जमा करनी होगी। इस सेवा कार्य में हम (मैं एवं कुसुम) पुनः इस बात का आश्वासन देते हैं, कि हमारा पूरा योगदान रहेगा। पहले कि तरह भटनागर सभा जो भी धनराशि एकत्रित करेगी, हम उसके बराबर की धनराशि कोष में जमा करायेगें। आशा है, जल्दी ही भूखण्ड का विकास एवं उपयोग शुरू हो जायेगा।

❑ डॉ. कुसुम पंचोली ❑ डॉ. सुबोध पंचोली

युवा पीढ़ी से अनुरोध है, कि वह अपना समय ज्यादा से ज्यादा अध्ययन करने में लगाएँ तथा प्रशासनिक व तकनीकी पदों को प्राप्त करने के लिये अधिकाधिक परिश्रम करें। अब समय आ गया है, कि समाज के लोग एक दूसरे को पूरा-पूरा सहयोग एवं सहायता देकर प्रगति के मार्ग की तरफ अग्रसर होने का संकल्प लें, तथा समाज के आर्थिक सम्पन्न लोग अपनी लोक भूमिका को निभाने में मन से एवं धन से उदाहरण प्रस्तुत करें।

❑ डॉ. एच.एल.एस. भटनागर

आदरणीय चित्रांश बन्धुगण

सादर वन्दन

शताब्दी के आरम्भ में, वर्तमान कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण के अवसर पर, समाज के हर सदस्य की भावना को शब्दों में ढालते हुए डॉ. एच.एन.एस. भटनागर ने यह अपेक्षा की थी कि समाज का अगला कार्यक्रम किराये के भवन (टाउन हाल) में नहीं अपितु हमारे अपने भू–खण्ड पर हो। इसी भावना को श्री रमेश पचवारिया ने "भटनागर सभा का है यह सपना, उदयपुर में हो नवीन नोहरा अपना" नारा देकर व्यक्त किया था। समाज की भावना को सम्मान देते हुए कार्यकारिणी ने अपना पहला लक्ष्य "नवीन भूमि क्रय" रखा तथा निरन्तर प्रयास करते रहे अनेक स्थानों पर निजि भूमि का अवलोकन भी किया किन्तु चाह यही थी कि नगर विकास न्यास के माध्यम से शहर के पास ही जमीन मिले तो ज्यादा अच्छा रहेगा। करीब दो वर्ष तक अथक प्रयास, राजनैतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर सम्बन्धों का सदुपयोग तथा आर्थिक स्तर पर सम्पूर्ण समाज ने हमें नैतिक सम्बल दिया और आज 15000 वर्ग फिट जमीन समाज के पास है। 15 अगस्त, 2003 एवं 25 अक्टूबर, 2003 के "भटनागर सभा" सूचना–पत्रों के माध्यम से भूमि क्रय प्रक्रिया का विवरण हम आपको प्रेषित कर चुके है। यह सब आपके स्नेह एवं आशीर्वाद का ही परिणाम है, एतदर्थ आभार, अभिनन्दन। जैसा कि गत सूचना–पत्र में उल्लेख किया गया था डॉ. श्री सुनील पंचोली एवं डॉ. श्रीमती कुसुम पंचोली ने आर्थिक अभाव के समय आगे आकर हमें हिम्मत बन्धाई, एक मुश्त रू. 15 लाख उपलब्ध कराये जिससे 13,51,000 रू. (तेरह लाख इक्यावन हजार रू.) नगर विकास प्रन्यास में जमा कराये जा सके।

अब निर्माण कार्य प्रारम्भ होना है। वर्तमान योजना अनुसार भगवान श्री चित्रगुप्त जी का मन्दिर, सभा कक्ष साथ में पुरूष व महिला के ग्रीनरूम, मंच, कार्यालय, पुस्तकालय कम्प्यूटर कक्ष, बनवाने है। इससे पूर्व आवन्टित भूमि को समतल करा, दीवार का निर्माण, फाटक लगवाना, पानी बिजली व्यवस्था करना आदि अनेक महत्त्व पूर्ण कार्य है जो समाज द्वारा ही, समाज के सहयोग से, समाज के लिये किये जाने है। कार्य सुचारू रूप से चलता रहे इसके लिये 'एडवाइजरी कौंसिल' का गठन किया जा चुका है। श्री एल.बी. बक्षी (भूतपूर्व मुख्य अभियन्ता, सा.नि.वि.) की अध्यक्षता में यह स्थाई समिति अपना कार्य आरम्भ कर चुकी है। भूमि पर कब्जा मिलते ही निर्माण कार्य आरम्भ हो जायगा। यह सारी योजना तभी सफल हो पायगी जब सम्पूर्ण समाज का सहयोग निरन्तर मिलता रहे। आर्थिक सहयोग की गंगा निरन्तर प्रवाहित होती रहे। कार्यकारिणी ने गत अंक में यह अनुरोध किया था कि व्यवसायरत या नौकरी करने वाला प्रत्येक व्यक्ति कम से कम 2500 रू. आर्थिक सहयोग प्रदान करें। प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है। सहयोग मिल रहा है। यदि आपको सहयोग देना शेष है तो कृपया शीघ्र ही उपलब्ध करायें। दिनांक 25 जनवरी, 2004 को नवीन भूखण्ड पर भूमि पूजन प्रस्तावित है। इस शुभ अवसर पर आप चैक या नकद राशि भूमि स्थल पर उपलब्ध करा रसीद प्राप्त कर सकते है। श्री सुदर्शन कालावत ने अपने पिताश्री की पुण्य स्मृति में "ट्यूबवेल खुदवा कर सबमर्सिबल पम्प" लगवाने की घोषणा की है। इस पर करीब 30,000 रू. अनुमानित व्यय होगा। आप भी अपने परिजनों की स्मृति चिर स्थाई कर सकते है निर्माण में सहयोग देकर।

एक आशा, एक उम्मीद, एक अपेक्षा के साथ।

आपका अपना

(कैलाश नारायण भटनागर)

टिप्पणी

एक दशाब्दी पूर्व भटनागर सभा, उदयपुर की तत्कालीन अध्यक्ष सुश्री प्रमोदिनी बक्षी द्वारा भटनागर सभा के लिये नवीन भूमि के आवंटन हेतु नगर विकास प्रन्यास में एक दरखास्त लगाई। जिस पर घटनाक्रम से जुड़े चित्रांश परिजनों ने शताब्दी के अन्तिम एवं वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में तत्कालीन अध्यक्ष चित्रांश रमेश चन्द्र सरसीवालमहता की पहल पर नगर विकास प्रन्यास एवं अनेक भूखण्डों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कर सहयोग किया।

उपरोक्त दोनों कार्यवाही के दरम्मान भटनागर सभा की साधारण सभा की बैठक ने डॉ. बी.पी. भटनागर, श्री चेतन्य पंचोली एवं चित्रांश रमेशचन्द्र को भूमि आवंटन सम्बन्धी कार्यवाही बाबत मनोनीत किया। वर्तमान कार्यकारिणी अध्यक्ष श्री कैलाश नारायण मोलावत द्वारा सेवाकाल के प्रारम्भ से ही चित्रांश रमेशचन्द्र के साथ इस दिशा में वांछनीय कार्यवाही जारी रखी गई। अन्ततः स्थानीय स्तर पर श्री आनन्दसिंह जी 'राज' ने विधायक श्री त्रिलोक जी पूर्बिया एवं सांसद सुश्री गिरिजा व्यास के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सफलता के द्वार तक पहुचाया, वही दूसरी ओर स्थानीय एवं देश–विदेश में बसे चित्रांश बन्धुगणों द्वारा स्वैच्छिक अनुदान के क्रम में ही डॉ. कुसुम पचोली एवं डॉ. सुनील पंचोली द्वारा एक मुश्त राशि रूपये 15 लाख उपलब्ध कराकर, श्री रमेश पंचवारिया द्वारा अभिव्यक्त – भटनागर सभा का है यह सपना, शहर में हो नवीन नोहरा अपना।। को अभिव्यक्ति प्रदान कर स्वप्न को साकार किया।

अपने पास कोई CHOICE नहीं है, सभा एवं समाज को आगे बढ़ना ही है। आज के दिन को कार्यान्वित करें, गया कल सिर्फ स्मृति है, तथा आने वाला कल एक सपना है। पिछले 10 वर्षों में बहुत कुछ असंभव से संभव हुआ। बहुत से लोगों ने नेतृत्व दिया, पर सफलता तब ही मिल पाई जब सबने अपना योगदान दिया।

□ डॉ. सुनील पंचोली, □ डॉ. कुसुम पंचोली

चिरस्मरणीय पल एवं जुड़ी यादें . . .

डॉ. सुनील पंचोली एवं परिवारजन

डॉ. (श्रीमती) नलिनी देवी पंचोली के माध्यम से प्राप्त महत्वपूर्ण दस्तावेज का अवलोकन एवं समाजहित का आश्वासन।

श्री आनन्द सिंह "राज"

समाज के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर समाजहित में अनुठा उदाहरण प्रस्तुत किया – एतदर्थ आभार

घटनाक्रम से जुड़े चित्रांश परिजन

- सुश्री प्रमोदिनी बक्षी
- श्री चैतन्य पंचोली
- श्री भवानी सिंह चोण्डावत
- श्री ललित बिहारी बक्षी
- श्री अशोक जालोरी
- श्री कैलाश नारायण मोलावत
- श्री देवेश मोलावत
- श्री कृष्ण सिंह भटनागर
- श्री राजकुमार नागोरी
- श्री सुधीर बक्षी
- डॉ. कुसुम पंचोली
- डॉ. बी.पी. भटनागर
- चित्रांश रमेश सरसीवालमहता
- डॉ. अरविन्द भटनागर
- कर्नल रणवीर बक्षी
- डॉ. राजेन्द्र मोहन भटनागर
- श्री आनन्द सिंह 'राज'
- श्री सुनील चोण्डावत
- श्री इतर सिंह नागोरी
- डॉ. एच.एन.एस. भटनागर
- श्री गिरीश 'राज'
- डॉ. सुनील पंचोली
- श्री सोहन लाल जी भटनागर, भू.पू. विधायक एवं प्रतिनिधि–मण्डल
- कार्यकारिणी सदस्य, क्षेत्रीय प्रतिनिधि एवं सलाहकार – मण्डल सत्र 2001–2004
- भटनागर समाज, उदयपुर एवं शहर से बाहर देश – विदेश से बसे सभी सक्रिय – सदस्यगण।

एडवाईजरी कौन्सिल

सदस्य

- अध्यक्ष, भटनागर सभा
- महामंत्री, भटनागर सभा
- कोषाध्यक्ष, भटनागर सभा
- डॉ. बी.पी. भटनागर
- डॉ. एच.एन.एस. भटनागर
- श्री ललित बिहारी बक्षी
- सुश्री प्रमोदिनी बक्षी
- चित्रांश रमेशचन्द्र
- श्री कैलाश मोलावत
- श्री अशोक जालोरी
- डॉ. एल.के. भटनागर
- श्री रविन्द्र जालोरी
- डॉ. कुसुम पंचोली
- डॉ. सुनील पंचोली

तकनीकी समिति

- श्री रविन्द्र जालोरी
- श्री ललित बिहारी बक्षी
- श्री भवानी सिंह चोण्डावत
- श्री कृष्णसिंह जालोरी
- छतर सिंह नागोरी
- श्री राज कुमार नागोरी
- श्रीमती मनिता बुन्देला
- श्री राकेश कश्यपमहत्ता

क्षैत्रीय समन्वयक

- श्री सुनील चोण्डावत
- श्री घनश्याम नागोरी
- श्री संजय मोलावत

विनम्र अनुरोध

आदरणीय चित्रांश बन्धुगण,

सादर अभिवादन।

भटनागर सभा, उदयपुर द्वारा स्वाधीनता दिवस–2003 के अवसर पर प्रकाशित सूचना–पत्र के माध्यम से आप सभी स्वजनों को भटनागर सभा के नवीन भूखण्ड सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया था। इस अति महत्वपूर्ण उपलब्धि में समाज के एकाधिक महानुभावों का प्रत्यक्ष एवं हर परिवार का प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष सहयोग एक दीर्घकाल से मिलता रहा है। भूखण्ड सम्बन्धी सम्पूर्ण राशि यथा 13,51,000 रू. भटनागर सभा नवीन भूखण्ड कोष के माध्यम से UIT में Under Protest जमा करा दी गई है – कारण निर्धारित राशि पर छूट सम्बन्धी प्रक्रिया जारी है एवं कुल उपलब्ध भूमि में से तीन चौथाई से कम भूमि आवंटन की गई है, अतः यथाशीघ्र इस द्विपक्षीय कार्यवाही को पुनः जारी किया जाना तय है।

सिर्फ नवीन भूखण्ड प्राप्त कर हम संतोष नहीं कर सकते है, यह तो मात्र शुरूआत है, इसके लिये समाज के हर सदस्य से विनम्र आग्रह है, कि वह इस भूखण्ड पर नव–निर्माण के बारे में क्या विचार रखते है – कृपया 29 फरवरी, 2004 तक अध्यक्ष, महामंत्री अथवा निम्न – हस्ताक्षरकर्त्ता को उपलब्ध कराकर भागीदारी अवश्य निभावें। हम, इस प्रथम अंक के माध्यम से आप सभी स्वजनों को विश्वास दिलाना चाहते है, कि निकट भविष्य में नवीन भूखण्ड के मुहुर्त के पावन अवसर पर एक स्पष्ट दीर्घकालीन योजना प्रस्तुत करने हेतु सभा एवं समितियां प्रयत्नशील है। भटनागर सभा, विभिन्न समितियाँ, सलाहकार – मण्डल, एडवाईजरी कोन्सिल एवं सभी सक्रिय कार्यकर्त्ताओं की ओर से आप सभी स्थानीय एवं देश–विदेश में बसे सभी सदस्यगणों के परिजनों से विनम्र अनुरोध है, कि अतीत, वर्तमान एवं भविष्य को ध्यान में रखते हुए आप अधिकतम राशि का चैक या नकद मुहुर्त्त के पावन अवसर पर कोषाध्यक्ष को जमा कराकर तत्काल रसीद प्राप्त कराने का श्रम करावें। चैक, **भटनागर सभा सामुदायिक केन्द्र विकास कोष** उदयपुर के नाम से भविष्य की सुविधाजनक तारीख एवं किश्तों में उपलब्ध कराकर सहयोग के संदर्भ में संकोच न करावें। सामुदायिक केन्द्र के उत्तरोत्तर विकास में भागीदारी की कामना एवं नववर्ष की मँगलकामनाओं सहित।

आपका शुभचिन्तक

(चित्रांश रमेशचन्द्र)

सौजन्य : विस्तृत विवरण अगले अंक में प्रकाशित किया जायेगा।

हम कृतार्थ हैं उनके, जिन्होंने समय-समय पर सामाजिक कार्य, संगठन व उत्थान के लिये विभिन्न स्तर पर प्रत्यक्ष या परोक्ष में, पास या दूर रहकर, विचार या संदेश से तन, मन, धन से समाज को सबल दिया। संगठन, अनुशासन, सजगता व सामाजिक दायित्व कोई शब्द संयोजन मात्र नहीं है, वरन् प्रत्येक सामाजिक इकाई के अविरल विकास की श्रृंखला है। जिसने इसे समझा एवं आत्मसात किया - निरन्तर विजय सौपान चढ़ता गया। हम एक सशक्त नींव बनें, जिस पर हमारी आगी पीढ़ी एक सशक्त व अग्रणी समाज का भवन खड़ा कर सकें।

□ डॉ. एल.के. भटनागर

प्रेषक : चित्रांश रमेश चन्द्र भटनागर
सामुदायिक एडवाईजरी कौन्सिल
नन्द भवन 1, ख 22/सी, माछला मगरा
आर.एस.ई.बी. रेस्ट हाउस के सामने, उदयपुर
फोन 2483937 (नि.)

बुक पोस्ट

सेवामें,
श्रीमान/श्रीमती .....

.....

.....

Agrawal Offset, Udaipur, Tel. : 2484242